15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस

tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

जय हिन्द!

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की
80 वीं
हार्दिक शुभकामनाएं!

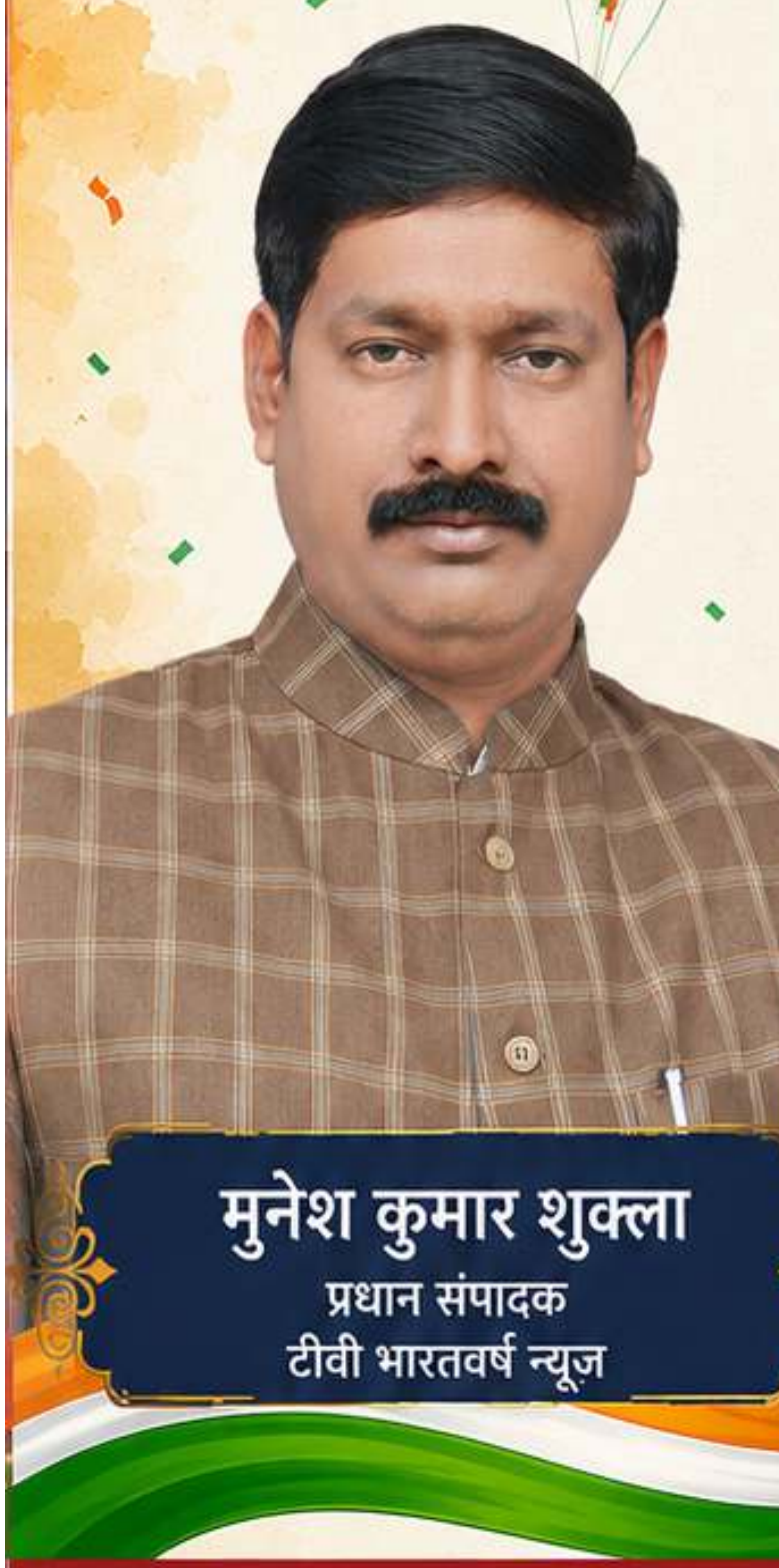

आइए, हम सब मिलकर
एक सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत
के निर्माण का संकल्प लें।

जय हिन्द!

मुनेश कुमार शुक्ला
प्रधान संपादक
टीवी भारतवर्ष न्यूज़

हिन्दी जगत महामंच
www..tvbharatvarsh.in

tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 1,00,000

8601780000

शनिवार, 15 अगस्त, 2026

www.tvbharatvarsh.in E-PAPER कुल पृष्ठ–08

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

डिस्कवरी की डॉक्यू-सीरीज में अजीत डोभाल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर खोले राज

डिस्कवरी चैनल की आगामी डॉक्यू-सीरीज 'डिक्लासिफाइड: ऑपरेशन सिंदूर' में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल पहली बार इस सैन्य अभियान पर विस्तार से बात करते नजर आएंगे। 7 मई 2025 को शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था।डोभाल ने इस अभियान के जरिए भारत की रणनीतिक सोच, जवाबी कार्रवाई की क्षमता और दुनिया को दिए गए संदेश का उल्लेख किया है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने 7 मई 2025 को भारत की ओर से किए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखी है।

आजादी की तारीख और सितारों का टकराव: 15 अगस्त को लेकर ज्योतिषियों की चेतावनी

भारत की आजादी की तारीख 15 अगस्त 1947 तय होने के पीछे राजनीतिक परिस्थितियां थीं, लेकिन उस दौर में कुछ ज्योतिषियों ने इस तारीख को लेकर आशंकाएं भी जताई थीं।'फ्रीडम एट मिडनाइट' में उस समय की ज्योतिषीय गणनाओं और तारीख को लेकर व्यक्त की गई चिंताओं का उल्लेख मिलता है।कहा जाता है कि कुछ ज्योतिषियों ने ग्रहों की स्थिति को देखते हुए नए राष्ट्र के भविष्य को लेकर गंभीर चेतावनी दी थी।15 अगस्त 1947 का दिन भारतीय इतिहास में आजादी के सबसे गौरवशाली अध्याय के रूप में दर्ज है। लेकिन देश की आजादी की तारीख तय होने के समय एक अलग तरह की चर्चा भी चल रही थी। किताब 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में उस दौर के राजनीतिक घटनाक्रम के साथ-साथ कुछ भारतीय ज्योतिषियों की उन आशंकाओं का भी जिक्र किया गया है, जिनमें 15 अगस्त को नए राष्ट्र के लिए अनुकूल दिन नहीं माना गया था।

हल्द्वानी रैली स्थल 'शुद्धिकरण' विवाद पर बवाल, धामी बोले- कांग्रेस कर रही दलित कार्ड का खेल

हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद रैली स्थल के कथित 'शुद्धिकरण' को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।कांग्रेस ने इसे दलित विरोधी मानसिकता से जोड़ते हुए बीजेपी और आरएसएस पर निशाना साधा, जबकि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आरोपों को खारिज किया।मामला राज्यसभा तक पहुंचा, जहां खड़गे ने संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद रैली स्थल के कथित 'शुद्धिकरण' को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस ने इस घटना को दलितों के अपमान से जोड़ते हुए बीजेपी और आरएसएस पर निशाना साधा है। वहीं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए इसे राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्र के नाम संबोधन

कहा- देश की स्वतंत्रता के 80वें वर्ष की शुभ शुरुआत होगी, सशस्त्र बलों और प्रवासी भारतीयों की सराहना

स्वतंत्रता दिवस 2026 की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशवासियों को संबोधित करते हुए 80वें स्वतंत्रता वर्ष की शुरुआत पर शुभकामनाएं दीं।उन्होंने सशस्त्र बलों, पुलिसकर्मियों, विदेशों में तैनात भारतीय दूतावासों के अधिकारियों और वैश्विक मंच पर देश का गौरव बढ़ाने वाले भारतीयों की सराहना की।राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और देश में हर व्यक्ति को सपने देखने तथा उन्हें पूरा करने का अवसर मिलना चाहिए।स्वतंत्रता दिवस 2026 की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र के नाम संबोधन में देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कुछ ही घंटों में भारत की स्वतंत्रता के 80वें वर्ष की शुरुआत होगी। राष्ट्रपति ने इस अवसर को देश के लिए गर्व, कृतज्ञता और संकल्प का समय बताया और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का आह्वान किया।

आरएसएस पर हमलों की होड़ में कांग्रेस सरकार का नया कदम, विधानसभा तक पहुंचा विवाद

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने सरकारी परिसरों और सार्वजनिक संपत्तियों के इस्तेमाल को लेकर नए कानून को मंजूरी दी है।प्रस्तावित कानून के तहत सरकारी जमीन, भवन, सड़क, पार्क और खेल मैदान जैसी जगहों पर कार्यक्रम आयोजित करने से पहले अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बीजेपी इसे आरएसएस की गतिविधियों पर कार्रवाई से जोड़ रही है, जबकि सरकार का कहना है कि नियम सभी संगठनों पर समान रूप से लागू होंगे।कर्नाटक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस की गतिविधियों को लेकर कांग्रेस सरकार और बीजेपी के बीच राजनीतिक टकराव अब और बढ़ता दिखाई दे रहा है। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने 'Karnataka Regulation of Use of Government Premises and Public Property Bill, 2026' को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित कानून का मकसद सरकारी और सार्वजनिक संपत्तियों के इस्तेमाल को नियमों के दायरे में लाना बताया गया है।

JPSC-JSSC सुधार आंदोलन: 21वें दिन 'तिरंगा यात्रा' की तैयारी, 10 अगस्त हिंसा पर चेतावनी

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन लगातार जारी है और शुक्रवार को यह 21वें दिन में पहुंच गया।प्रदर्शनकारी 15 अगस्त को रांची में तिरंगा यात्रा निकालकर अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने की तैयारी कर रहे हैं।10 अगस्त की हिंसा के मामले में पुलिस ने 300 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, जबकि छात्रों का कहना है कि निर्दोष अभ्यर्थियों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ चल रहा छात्रों और नौकरी के अभ्यर्थियों का आंदोलन शुक्रवार को 21वें दिन में प्रवेश कर गया। JPSC-JSSC रिफॉर्म्स मंच के बैनर तले आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों ने अब 15 अगस्त को रांची में तिरंगा यात्रा निकालने का ऐलान किया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर निकाली जाने वाली यह यात्रा भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता की मांग को और मजबूती देगी। अभ्यर्थी कई भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की स्वतंत्र जांच की मांग कर रहे हैं। उनकी प्रमुख मांगों में विवादित परीक्षाओं की जांच, भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई शामिल है। प्रदर्शनकारियों ने कुछ परीक्षाओं को रद्द करने और जांच सीबीआई या झारखंड से बाहर के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के पैनल से कराने की मांग भी उठाई है।

USS अब्राहम लिंकन के नाविकों की हालत पर चिंता

250+ दिन की तैनाती के बाद अमेरिका भेजेगा USS जॉर्ज वॉशिंगटन

USS अब्राहम लिंकन पर तैनात अमेरिकी नौसैनिकों की लंबी तैनाती और कथित खराब हालात को लेकर परिवारों और सांसदों ने चिंता जताई है। नाविकों की मानसिक सेहत और मनोबल को लेकर सामने आई रिपोर्टों के बीच अमेरिकी नौसेना पर सवाल उठ रहे हैं।इसी बीच मिडिल ईस्ट में USS लिंकन की जगह USS जॉर्ज वॉशिंगटन की तैनाती की तैयारी की जा रही है।

अमेरिकी एयरक्राफ्ट यूएसएस अब्राहम लिंकन पर तैनात नाविकों ने जहाज से समुद्र में कूदने की कोशिश की। सैन्य परिवारों और अमेरिकी सांसदों ने चेतावनी दी है कि हालात अब बर्दाश्त से बाहर हो रहे हैं।ऐसी खबरों के बाद अब अमेरिका, मिडिल ईस्ट में USS अब्राहम लिंकन की जगह एयरक्राफ्ट कैरियर USS जॉर्ज वॉशिंगटन भेजने की तैयारी कर रहा है। लिंकन पर मौजूद क्रू के मनोबल और वहां के हालात को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, जहाज की असामान्य रूप से लंबी तैनाती के असर पर सवाल उठने लगे हैं। अमेरिकी नौसेना के बयानों और जहाज की गतिविधियों की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के मुताबिक, USS वॉशिंगटन, जो हाल ही में वियतनाम के दा नांग से निकला है और सिंगापुर जलडमरूमध्य व मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरा है, अब हिंद महासागर की ओर बढ़ रहा है। द गार्जियन और द हिल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जहां नाविकों ने समुद्र में कूदने का विचार किया या कोशिश की। कम से कम एक क्रू मेंबर को दूसरे नाविक ने ऐसा करने से रोका था।अब उन नाविकों के परिवारों ने भी जहाज पर मौजूद लोगों में आत्महत्या के विचारों को लेकर चिंता जताई है। डेमोक्रेटिक सांसद माइक लेविन ने जहाज पर तैनात नौसैनिकों की स्थिति का वर्णन करते हुए कहा था कि फफूंद वाले शावर, टूटे शौचालय, हफ्तों से बंद लॉन्ड्री, लंबे समय तक गर्म पानी का ना होना और भोजन के नाम पर सिर्फ आधा कप चावल और दो टॉर्टिला। उन्हें न साबुन, न डियोड्रेंट, और न ही टूथपेस्ट उपलब्ध है।पिछले गुरुवार को सैन डिएगो में करीब 200 परिजनों की टाउन हॉल बैठक हुई। इसमें एक महिला ने अधिकारियों को बताया कि उसके पति ने उसी दिन उसे मैसेज करके कहा था कि उसे उम्मीद है कि वह कल सुबह नहीं उठेगा। नेवी टाइम्स के अनुसार, एनाबेल लोमा ने बताया कि तैनाती बार-बार बढ़ाए जाने के बाद उनके पति ने समुद्र में कूदने की कोशिश की थी। द गार्जियन के अनुसार, एक नौसेना अधिकारी ने कहा कि कमांड के पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर, हमने जहाज पर आत्महत्या के विचारों या आत्महत्या के प्रयासों में कोई वृद्धि नहीं देखी है। अधिकारी ने कहा कि नाविकों के स्वास्थ्य और भलाई को प्राथमिकता दी जाती है। नौसेना ने यह भी कहा कि जहाज पर स्वच्छ पानी, काम करने वाले एसी और स्वस्थ भोजन के विकल्प भी पहुंचाए जा रहे हैं। हालांकि अमेरिका ने इस दावे को खारिज किया है अमेरिकी अधिकारियों ने 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' को बताया कि कैरियर की अदला-बदली पहले से तय रोटेशन का हिस्सा है, न कि 'लिंकन' से जुड़ी चिंताओं का सीधा जवाब। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब परिवारों और सांसदों ने उन खबरों पर चिंता जताई है कि 'लिंकन' पर तैनात नाविकों को समुद्र में 250 से ज़्यादा दिन बिताने के बाद बहुत ज़्यादा थकान और खराब रहन-सहन की स्थितियों का सामना करना पड़ा है। न्यूक्लियर-पावर्ड कैरियर पर सवार लगभग 5,000 नाविक और मरीन 21 नवंबर को सैन डिएगो से निकले थे। शुरुआत में इसे प्रशांत क्षेत्र में तैनाती के तौर पर प्लान किया गया था।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में शुक्रवार को गृह मंत्री के काफिले पर हमला

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में शुक्रवार को गृह मंत्री के काफिले पर हमला हुआ है। बंदूकधारियों ने प्रांत के गृह मंत्री मीर जियाउल्लाह लांगगो की गाड़ी को मस्तुंग में निशाना बनाया है। इस हमले में मंत्री के सुरक्षाकर्मियों सहित छह लोग घायल हुए, जिसमें दो की मौत हो गई है। जियाउल्लाह को इस हमले में कोई गंभीर चोट नहीं आई है। ये घटनाक्रम इसलिए अहम है क्योंकि देश के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ये हमला किया गया है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, मस्तुंग में बलूचिस्तान के गृह मंत्री मीर जियाउल्लाह के काफिले पर हमला हुआ, जिसमें वे बाल-बाल बच गए। इसमें उनके दो सुरक्षाकर्मी मारे गए और एंटी-टेररिज्म फोर्स (ATF) के चार जवान घायल हो गए। बलूचिस्तान के गृह मंत्री को निशाना बनाए जाने की घटनाएं पहले भी प्रांत में होती रही हैं। मंत्री का काफिला कलात से क्वेटा जा रहा था। इसी दौरान मस्तुंग जिले में खदकोचा गोरू के पास हथियारबंद हमलावरों ने इसे निशाना बनाया। बताया गया है मंत्री की कार बंदूकधारियों के निशाने पर थी। राहत की बात रही कि वह हमले में घायल नहीं हुए। बलूचिस्तान में सुरक्षाबलों और सरकारी अधिकारियों के खिलाफ हमलों की कड़ी में यह नई घटना है।बलूचिस्तान में बीएलए ने लगातार पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाया है। यह गुट काफी आक्रामक रहा है। हालांकि 14 अगस्त के इस हमले की अभी तक किसी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। स्थानीय प्रशासन और अधिकारियों ने कहा है कि हमले में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया जा रहा है।

ओडिशा के मयूरभंज में बाढ़ के पानी में अचानक एक ऑटो बह गया

Rolls-Royce ने AMCA लड़ाकू विमान का इंजन बनाने के लिए पार्टनरशिप का ऐलान किया

भारत के 5वीं पीढ़ी के स्वदेशी फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट यानी AMCA को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और Rolls-Royce ने भारत के AMCA लड़ाकू विमान का इंजन बनाने के लिए पार्टनरशिप का ऐलान किया है। सामने आई जानकारी के अनुसार, दोनों कंपनियां संयुक्त रूप से, AMCA विमान के इंजन का उत्पादन करेंगी। बता दें कि इस अपडेट के सामने आने के बाद AMCA के निर्माण की प्रक्रिया और प्रोडक्शन के तेज होने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और रॉल्स-रॉयस ने घोषणा की है कि वे AMCA के लिए एक स्वदेशी कॉम्बैट इंजन के डिज़ाइन, डेवलपमेंट, मैन्युफैक्चरिंग और डिलीवरी में पार्टनरशिप करेंगे। जानकारी के अनुसार, इस पार्टनरशिप के तहत दोनों कंपनियां भारत में एक खास एयरोस्पेस गैस टर्बाइन कॉम्प्लेक्स की स्थापना करने की संभावनाओं पर विचार करने वाली हैं। इसे पावर और प्रोपल्शन टेक्नोलॉजी के लिए एक 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' के तौर पर विकसित करने का प्लान बनाया गया है। इसके माध्यम से रॉल्स-रॉयस की एडवांस्ड इंजन बनाने की स्पेशलिटी और रिलायंस की इंडस्ट्रियल और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को एक साथ लाने की कोशिश की जाएगी। रिलायंस की ओर से जारी किए गए एक आधिकारिक बयान में जानकारी दी गई है कि "दोनों कंपनियों के बीच इस पार्टनरशिप से भारत में AMCA इंजन के ज्वाइंट डेवलपमेंट के लिए बेहतरीन मौका मिलेगा। इसकी मदद से दुनिया की एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्रियल क्षमताएं एक साथ आएंगी।" आपको बता दें कि मई महीने में भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय ने AMCA परियोजना के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी कर दिया था। रिलायंस ने जानकारी दी है कि इस कदम का मकसद भारत में एडवांस्ड प्रोपल्शन सिस्टम के डेवलपमेंट और प्रोडक्शन के लिए स्वदेशी क्षमता का विकास करना है। ये कदम महत्वपूर्ण माने जाने वाली डिफेंस टेक्नोलॉजी में ज्यादा आत्मनिर्भरता को हासिल करने के विजन के अनुरूप है।

भारत ने कोलंबिया को 20 टन राहत सामग्री की पहली खेप भेजी

भारत ने कोलंबिया को 20 टन राहत सामग्री की पहली खेप भेजी है। इस देश में आए भूकंप से 265 लोगों की मौत हो गई और 3,494 लोग घायल हो गए थे, जिसके बाद वहां रिकवरी और राहत का काम चल रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि मानवीय सहायता पैकेज में ज़रूरी मेडिकल उपकरण, दवाएं, अस्थायी आश्रय के लिए सामान, हाइजीन किट और अन्य ज़रूरी चीज़ें शामिल हैं, जिनकी आपदा के बाद ज़मीनी स्तर पर तुरंत ज़रूरत होती है। मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) के प्रति नई दिल्ली की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, जयशंकर ने इस दक्षिण अमेरिकी देश के साथ एकजुटता ज़ाहिर की, जो भीषण भूकंप के बाद के हालात से जूझ रहा है। विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, "भूकंप के बाद रिकवरी के प्रयासों में मदद के लिए कोलंबिया को 20 मीट्रिक टन राहत सामग्री की पहली खेप भेजी गई है। इस सहायता में दवाएं और मेडिकल उपकरण, अस्थायी आश्रय और हाइजीन से जुड़ी मदद, और आपदा के बाद ज़रूरी अन्य सामान शामिल हैं। मुश्किल समय में भारत कोलंबिया के लोगों के साथ खड़ा है। तेज़ी से मदद पहुँचाना यह दिखाता है कि भारत दुनिया भर में संकट के समय सबसे पहले मदद करने वाले देश की भूमिका निभा रहा है। साथ ही, यह नई दिल्ली और बोगोटा के बीच बढ़ते कूटनीतिक और मानवीय संबंधों को भी उजागर करता है। इससे पहले, कोलंबिया के राष्ट्रपति एबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला ने बुधवार (स्थानीय समय) को भूकंप राहत और पुनर्निर्माण के लिए विशेष उपाय करने के मकसद से "आर्थिक आपातकाल" लागू किया।

ईरान युद्ध में अमेरिका के 45 MQ-9 रीपर ड्रोन तबाह हो चुके

ईरान युद्ध में अमेरिका को बड़ा झटका लगा है। ईरान ने अमेरिकी सेना में तैनात ड्रोन के पूरे फ्लीट के करीब एक चौथाई हिस्से को तबाह कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक 45 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन ध्वस्त हो चुके हैं। हर ड्रोन की कीमत 30 से 50 मिलियन डॉलर तक होती है। इस हिसाब से नुकसान डेढ़ अरब डॉलर से भी ज्यादा हुआ है। द वाशिंगटन पोस्ट ने तीन अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से ये आंकड़े बताए हैं। ये ड्रोन हॉर्मुज स्ट्रेट के आसपास निगरानी और हमलों के लिए इस्तेमाल हो रहे थे। धीमी रफ्तार और कम ऊंचाई पर उड़ने की वजह से यह ईरानी सेना और यमन-इराक में सक्रिय ग्रुप्स के लिए आसानी से निशाना बन गए। कुछ ड्रोन गिराए गए तो कुछ का ऑपरेटर्स से संपर्क टूटने के बाद क्रैश हो गए। युद्ध शुरू होने से पहले अमेरिका के पास करीब 185 रीपर ड्रोन थे। एयर फोर्स के पास 165 और मरीन कॉर्प्स के पास 20। खुफिया एजेंसियों वाले ड्रोन इसमें शामिल नहीं हैं। मरीन कॉर्प्स के किसी ड्रोन का नुकसान नहीं हुआ क्योंकि वे ज्यादातर

एशिया-पैसिफिक में तैनात हैं। मई में एयर फोर्स के एक सीनियर अफसर लेफ्टिनेंट जनरल डेविड टेबर ने सीनेट को बताया कि बचे हुए ड्रोन की संख्या घटकर करीब 135 रह गई है। इस बीच, खबर यह भी है कि पेंटागन पहले से ही रीपर को चरणबद्ध तरीके से बाहर कर रहा है। उसकी जगह सस्ते और झुंड में उड़ने वाले नए ड्रोन लाने की योजना है। ये नुकसान यूक्रेन को सालों से दी जा रही मदद और ईरान युद्ध के दबाव के बीच और भी भारी पड़ रहा है। पहले महीने में ही अमेरिकी सेना ने 850 से ज्यादा टॉमहॉक मिसाइलें और 1000 से ज्यादा पैट्रियट व थाड इंटरसेप्टर दागे। कुछ हथियारों के भंडार कम होने से कमांडरों को रक्षा की रणनीति बदलनी पड़ी। वे कुछ इंटरसेप्टर उन खतरों के लिए बचाकर रख रहे हैं जो ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि, पेंटागन की ओर से कहा जा रहा है कि स्टॉक कम नहीं हुए हैं लेकिन ट्रंप प्रशासन संसद से 67 अरब डॉलर के अतिरिक्त पैकेज की मंजूरी मांग रहा है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का अनुमान है कि सितंबर तक युद्ध का खर्च 37.5 अरब डॉलर हो जाएगा।

संपादक की कलम से

भारत की स्वतंत्रता केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के त्याग, संघर्ष और संकल्प का परिणाम है। 15 अगस्त हमें उस गौरवशाली यात्रा की याद दिलाता है, जब लंबे संघर्ष के बाद देश ने पराधीनता की बेड़ियां तोड़ीं। यह दिन उत्सव का है, लेकिन साथ ही आत्ममंथन का अवसर भी है कि जिन आदर्शों के लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया, क्या हम उन आदर्शों को अपने जीवन में उतार पा रहे हैं?स्वतंत्रता का अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। वास्तविक आजादी तब होगी, जब देश का प्रत्येक नागरिक भय, भेदभाव, अशिक्षा, गरीबी और अवसरों की असमानता से मुक्त हो। संविधान ने हमें अधिकार दिए हैं, लेकिन अधिकारों के साथ कर्तव्यों की जिम्मेदारी भी सौंपी है। लोकतंत्र की मजबूती केवल सरकार की नीतियों से नहीं, बल्कि नागरिकों की जागरूकता, ईमानदारी और सहभागिता से तय होती है।आज भारत दुनिया की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अपनी पहचान बना रहा है। विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष, डिजिटल अर्थव्यवस्था, रक्षा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। लेकिन विकास की यह यात्रा तभी सार्थक होगी, जब इसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। किसानों, श्रमिकों, युवाओं, महिलाओं और छोटे कारोबारियों के लिए अवसर बढ़ाना आजादी के मूल उद्देश्य को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।आज के समय में देश के सामने चुनौतियों का स्वरूप भी बदल गया है। सामाजिक विभाजन, फर्जी सूचनाएं, भ्रष्टाचार, पर्यावरण संकट और बेरोजगारी जैसी समस्याएं हमारी सामूहिक जिम्मेदारी की परीक्षा ले रही हैं। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन मतभेद को मनभेद और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को सामाजिक वैमनस्य में बदलने से बचना होगा। राष्ट्र की एकता केवल नारों से नहीं, बल्कि एक-दूसरे के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करने से मजबूत होती है।नई पीढ़ी से हमारी सबसे बड़ी अपेक्षा यही है कि वह स्वतंत्रता को केवल समारोह और राष्ट्रगान तक सीमित न रखे। वह अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे, कानून का सम्मान करे, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करे और समाज के प्रति संवेदनशील बने।स्वतंत्रता सेनानियों ने हमें एक स्वतंत्र भारत सौंपा था। अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम आने वाली पीढ़ियों को एक अधिक शिक्षित, समृद्ध, न्यायपूर्ण, सुरक्षित और एकजुट भारत सौंपें। यही स्वतंत्रता दिवस की सबसे सार्थक श्रद्धांजलि होगी।

राहुल गांधी के बयान पर राजनाथ सिंह का पलटवार कहा- विपक्षी नेता ने मर्यादा की सारी सीमाएं लांघीं

गुरुग्राम में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के कार्यक्रम में 1947 की त्रासदी और विस्थापन का दर्द याद किया गया।बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने विभाजन के लिए तत्कालीन राजनीतिक फैसलों और सत्ता की जल्दबाजी को जिम्मेदार ठहराया।कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने स्थानीय सांसद को आमंत्रित नहीं किए जाने पर मंच से ही नाराजगी जाहिर कर दी।

गुरुग्राम में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम उस समय सियासी चर्चा का विषय बन गया, जब केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कार्यक्रम में स्थानीय सांसद को आमंत्रित नहीं किए जाने पर अपनी नाराजगी सार्वजनिक तौर पर जाहिर कर दी। कार्यक्रम को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन में 1947 के विभाजन की त्रासदी को याद करते हुए उन लाखों लोगों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने देश के बंटवारे के दौरान अपने घर, जमीन, संपत्ति और अपनों को खो दिया।नितिन नवीन ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस केवल इतिहास को याद करने का दिन नहीं है, बल्कि उन परिवारों के दर्द को समझने का अवसर भी है, जिन्होंने विभाजन के दौरान असहनीय पीड़ा झेली। उन्होंने कहा कि 1940 में लाहौर प्रस्ताव के दौरान टू-नेशन थ्योरी की चर्चा शुरू हुई थी और उसी समय यह आशंका पैदा होने लगी थी कि देश की आजादी की कीमत विभाजन के रूप में चुकानी पड़ सकती है।बीजेपी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कुछ नेताओं ने सत्ता हासिल करने के लिए राजनीतिक फैसलों को प्राथमिकता दी, जबकि आजादी का सपना देखने वाले करोड़ों आम लोगों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। उन्होंने कहा कि विभाजन के दौरान बड़ी संख्या में लोगों को अपने घर छोड़कर विस्थापित होना पड़ा और लाखों परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया। नितिन नवीन के मुताबिक, विभाजन का दर्द आज भी कई परिवारों की स्मृतियों में मौजूद है और इस त्रासदी को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना जरूरी है।उन्होंने सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया को जल्दबाजी में आगे बढ़ाने के लिए तत्कालीन नेतृत्व पर सवाल उठाए और कहा कि राजनीतिक हितों को ध्यान में रखकर लिए गए फैसलों का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस उन लोगों को नमन करने का अवसर है, जिन्होंने उस भयावह दौर में अपना सब कुछ गंवा दिया।हालांकि, कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की नाराजगी ने पूरे आयोजन का राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से सवाल किया कि जिस क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, वहां के सांसद को ही आमंत्रित नहीं किया गया तो क्या यह उचित है? राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि अगर यह बीजेपी का कार्यक्रम नहीं होता तो शायद उन्हें बुलाया भी नहीं जाता और उन्हें मंच से बोलने का अवसर भी नहीं दिया जाता।राव इंद्रजीत सिंह की इस टिप्पणी के बाद कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गईं। एक तरफ जहां कार्यक्रम का उद्देश्य विभाजन की त्रासदी और पीड़ित परिवारों को याद करना था, वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय का मुद्दा सामने आ गया। इस पूरे घटनाक्रम ने बीजेपी के कार्यक्रम में ही पार्टी के भीतर की नाराजगी को सार्वजनिक बहस का विषय बना दिया।

विधायक इंद्र साव बुधवार देर रात भाटापारा ग्रामीण थाना पहुंचे,चार घंटे तक थाने में डटे रहे

बलौदाबाजार जिले के ग्राम सिंगापुर में युवती से मारपीट के मामले में पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर भाटापारा विधायक इंद्र साव बुधवार देर रात भाटापारा ग्रामीण थाना पहुंचे। विधायक करीब चार घंटे तक थाने में डटे रहे, लेकिन समाचार लिखे जाने तक पुलिस किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी थी। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले ग्राम सिंगापुर में एक युवती के साथ मारपीट की घटना हुई थी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आरोप है कि 12 अगस्त को गिरफ्तार युवक के परिजन समझौते की बात लेकर पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। परिवार ने समझौता करने से इनकार किया तो विवाद बढ़ गया और दोबारा मारपीट की शिकायत सामने आई। घटना के बाद पीड़ित परिवार शिकायत लेकर भाटापारा ग्रामीण थाना पहुंचा और मामले की जानकारी विधायक इंद्र साव को दी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए विधायक देर रात थाने पहुंचे और पुलिस से आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। विधायक इंद्र साव ने पुलिस से कहा कि पीड़ित परिवार के साथ दोबारा मारपीट की शिकायत के बाद आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक थाना नहीं छोड़ने की बात कही और करीब चार घंटे तक थाना परिसर में मौजूद रहे। विधायक के थाने पहुंचने के बाद पुलिस की टीमें आरोपियों की तलाश में जुट गईं। रात करीब साढ़े 12 बजे तक पुलिस संभावित ठिकानों पर आरोपियों की तलाश करती रही, लेकिन समाचार लिखे जाने तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी। विधायक भी देर रात तक थाना परिसर में मौजूद रहे। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की पूरी टीम लगातार जुटी हुई है। अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।- खोमन सिन्हा, एडीशनल एसपी मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि पीड़ित परिवार की दोबारा मारपीट की शिकायत और विधायक के तत्काल गिरफ्तारी की मांग के बावजूद पुलिस आरोपियों तक क्यों नहीं पहुंच सकी। क्या पुलिस की कार्रवाई फिलहाल सिर्फ तलाश तक सीमित है या गिरफ्तारी में कोई कानूनी अथवा तकनीकी अड़चन सामने आ रही है। अब पुलिस की आगे की कार्रवाई पर सभी की नजर है।

विभाजन विभीषिका कार्यक्रम में सियासी घमासान नितिन नवीन के सामने राव इंद्रजीत सिंह ने जताई नाराजगी

गुरुग्राम में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने संबोधित करते हुए 1947 के विभाजन की त्रासदी को याद किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन उन लोगों को स्मरण करने का है, जिन्होंने विभाजन की भयावहता के दौरान अपना सब कुछ खो दिया और विस्थापन का दर्द झेला।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि 1940 में लाहौर प्रस्ताव के दौरान जब टू-नेशन थ्योरी की चर्चा हुई, उसी समय लोगों को इस बात का अंदेशा होने लगा था कि देश की आजादी की कीमत विभाजन के रूप में चुकानी पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने सत्ता हासिल करने के सपने देखे और उन्हें सत्ता मिल गई, लेकिन आजादी का सपना देखने वाले लाखों लोगों को विभाजन की कीमत अपने प्रियजनों की जान और विस्थापन के रूप में चुकानी पड़ी। बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि विभाजन का दर्द आज भी लोगों के दिलों में मौजूद है। उन्होंने कहा कि सत्ता हस्तांतरण को जल्दबाजी में आगे बढ़ाने वालों ने अपने राजनीतिक भविष्य को देखते हुए ऐसा फैसला

किया, जिसका खामियाजा लाखों भारतीयों को भुगतना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता की चाह में करोड़ों लोगों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। नितिन नवीन ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस उन परिवारों को नमन करने का अवसर है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया और विस्थापन का असहनीय दर्द झेला। उन्होंने कहा कि उन परिवारों की पीड़ा और उस भयावह दौर को याद करना जरूरी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां विभाजन की त्रासदी और उसके मानवीय परिणामों को समझ सकें। वहीं कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह नाराज हो गए। उन्होंने नाराजगी जताते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से पूछा कि इस कार्यक्रम को आयोजित करने वाले हलके के सांसद को नहीं बुलाते है तो क्या उनका ठीक था? उन्होंने कहा कि यदि यह पार्टी का कार्यक्रम नहीं होता तो उन्हें बुलाया भी नहीं जाता। उन्हें भाषण देने का मौका भी नहीं दिया जाता।

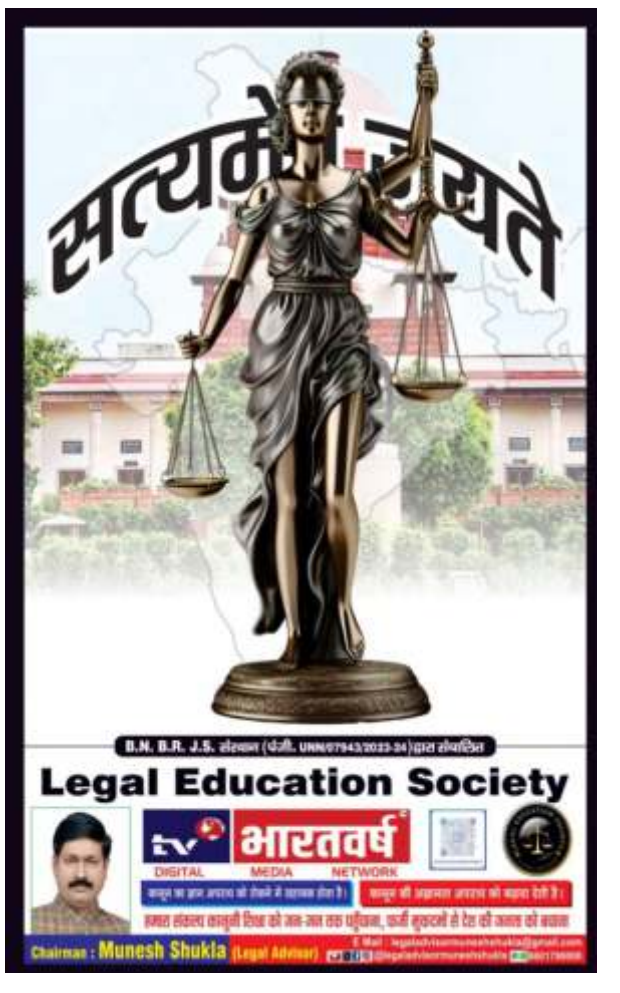

CAG रिपोर्ट में IIM रोहतक के कामकाज पर गंभीर सवाल फीस बढ़ोतरी से लेकर वित्तीय नियमों के पालन तक कई खामियां

CAG ऑडिट रिपोर्ट में भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) रोहतक के प्रशासनिक कामकाज में कई कमियां पाई गईं। मैनेजमेंट एजुकेशन के लिए बेस्ट संस्थानों में शामिल आईआईएम में छात्रों की फीस बढ़ोतरी, बोर्ड के गठन, नियमों में बदलाव से लेकर कॉन्ट्रैक्ट देने, फैकल्टी को पेमेंट करने समेत एडमिनिस्ट्रेशन के करीब-करीब हर बड़े हिस्से में कमियां देखी गई हैं। अकाउंटिंग में तो गड़बड़ी के साथ ही यह भी देखा गया है कि आईआईएम रोहतक में नियमों को नहीं माना गया। शिक्षा मंत्रालय के कहने पर संस्थान का ऑडिट कराया गया। जांच-पड़ताल और नियमों के पालन में बड़ी नाकामियों की ओर यह रिपोर्ट इशारा करती है। यह रिपोर्ट संसद में रखी गई है। आइए जानते हैं कि पूरा मामला। ऑडिट में पाया गया कि मैनेजमेंट संस्थान आईआईएम रोहतक ने आय और खर्च का अनुमान लगाने के लिए सालाना बजट तैयार नहीं किया, जो कि फाइनेंशियल प्लानिंग का एक अहम टूल है। फाइनेंशियल जरूरतों का आकलन करने और उसी के हिसाब से आय तय करने के लिए बजट न बनाने की वजह से, संस्थान ने फीस का स्ट्रक्चर शायद ज्यादा रखा है। यह शिक्षा को ज्यादा किफायती बनाने के संस्थान के उद्देश्य के खिलाफ है। 2019-21 की ऑडिट इंस्पेक्शन रिपोर्ट में भी ऐसी ही

चिंता जताई गई थी। संस्थान के जवाब को भी रिपोर्ट में शामिल किया गया है। संस्थान ने वित्तीय स्वायत्ता की बात कही है लेकिन ऑपरेशनल और कैपिटल जरूरतों को पूरा करने के बाद भी लगातार ज्यादा सरप्लस (बचत) होने के बाद भी फीस बढ़ाने के कारण स्पष्ट नहीं हुए हैं। कोई व्यवस्थित वित्तीय योजना या फीस तय करने का ढांचा न होने से पारदर्शी और जरूरतों पर आधारित फीस को सही ढंग से तय करने की जरूरत और भी साफ हो जाती है। संसद में पेश की गई यह रिपोर्ट केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुरोध पर किए गए ऑडिट के बाद तैयार की गई थी। इसमें 2009-10 से 2023-24 तक के फाइनेंशियल स्टेटमेंट और 2019-20 से 2024-25 तक के ट्रांजैक्शन और ऑपरेशनल रिकॉर्ड की जांच की गई। CAG ने अपनी रिपोर्ट के 'स्थापना' (establishment) वाले हिस्से में इन कमियों को 'फाइनेंशियल और गवर्नेंस के नियमों का सिस्टमैटिक उल्लंघन' बताया।इंटरनल कंट्रोल, डॉक्यूमेंटेशन और कानूनी नियमों के पालन में भी कमियां बताईं।

सबसे अहम बातों में से एक डायरेक्टर को दिया गया 'वेरिएबल पे' (परफॉर्मेंस-बेस्ड पेमेंट) था।

CAG ने कहा कि ऐसे पेमेंट से जुड़े नियम अक्टूबर 2021 में लागू हुए थे लेकिन 2018-19 से 2020-21 के लिए इन्हें पिछली तारीख से लागू कर दिया गया।

मंत्रालय ने भी इस बात से सहमति जताई और कहा कि वेरिएबल पे के लिए कोई रेगुलेटरी प्रावधान या सही डॉक्यूमेंटेशन नहीं था और 2018-19 से 2024-25 के बीच दिए गए पैसे की वसूली की जानी चाहिए।

अमेरिका के बदले इमिग्रेशन नियमों ने बढ़ाई चिंता, लोग समझ नहीं पा रहे नई व्यवस्था

अमेरिका में इमिग्रेशन से जुड़े इतने ज्यादा बदलाव हो रहे हैं कि कई लोग इसे लेकर कंफ्यूज हो जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब USCIS ने एक नए बदलाव का ऐलान किया है, जिसके बारे में अमेरिका में रहने वाले भारतीय स्टूडेंट-वर्कर को मालूम होना चाहिए। अमेरिका में पढ़ाई या नौकरी कर रहे भारतीयों के लिए जरूरी खबर है। अगर उन्हें वीजा एक्सटेंशन लेने की जरूरत पड़ती है या फिर वे ग्रीन कार्ड हासिल करना चाहते हैं, तो उन्हें नए इमिग्रेशन नियमों का ख्याल रखना पड़ेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (USCIS) ने इमिग्रेशन से जुड़े आवेदन करने के दौरान पालन किए जाने वाले नियमों को बदल दिया है, जिसका सीधा असर भारतीयों पर भी पड़ेगा। दरअसल, USCIS ने अधिकारियों को दोबारा अधिकार दे दिया है कि अगर आवेदक (फिर वो स्टूडेंट हो या वर्कर) अधूरा एप्लिकेशन जमा करता है या जिस वीजा या ग्रीन कार्ड के लिए अप्लाई कर रहा है, उसके लिए वह एलिजिबिलिटी साबित करने के लिए जरूरी डॉक्यूमेंट्स जमा नहीं कर पाता है, तो उसे इमिग्रेशन से जुड़ा कोई भी लाभ नहीं दिया जाए। USCIS अधिकारी उसके एप्लिकेशन को सिरे से खारिज कर सकते हैं और उनके पास ऐसा करने का अधिकार होगा। अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी ने कहा, 'ये साबित करने की जिम्मेदारी आवेदक की है कि वह एप्लिकेशन जमा करते समय मांग गए लाभ (वीजा या ग्रीन काड) के लिए एलिजिबिल है और फैसला (वीजा या ग्रीन कार्ड मिलने तक) होने तक वह एलिजिबिल बना रहता है।' कुल मिलाकर अब आवेदक को इमिग्रेशन से जुड़ी कोई भी सुविधा लेने के दौरान सभी जरूरी डॉक्यूमेंट एक बार में ही जमा करना होंगे।

1975 के बाद फिर इतिहास दोहराने की चुनौती विश्व कप अभियान की शुरुआत

स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में कपिल देव को पीछे छोड़ दिया

ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच खेली जा रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच डार्विन के मरारा क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अपनी लय से जूझते नजर आए। हालांकि लिटन दास को आउट कर उन्होंने एक विकेट झटका और इसी के साथ पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ दिया। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में स्टार्क कपिल देव से आगे निकल गए हैं। स्टार्क के नाम अब क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में 435 विकेट दर्ज हो गए हैं। वहीं, कपिल देव ने टेस्ट क्रिकेट में कुल 434 विकेट चटकाए हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 11वें नंबर पर आ गए हैं। टेस्ट के पहले दिन स्टार्क ने शादमान इस्लाम को आउट करने के साथ ही कपिल देव के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बन चुके हैं। उन्होंने इस मामले में गुरुवार को श्रीलंका के पूर्व गेंदबाज रंगना हेराथ को पीछे छोड़ा था। टेस्ट के दूसरे दिन बांग्लादेश ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है और ऑस्ट्रेलिया द्वारा बनाए गए 198 रनों

के जवाब में 6 विकेट खोकर 351 रन स्कोरबोर्ड पर लगा लिए हैं। टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज अपनी लय से भटके हुए नजर आए। बांग्लादेश की ओर से तंजीद हसन तमीम ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 197 गेंदों का सामना करते हुए 101 रन बनाए। वहीं, बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 84 रन बनाए। मोमिनुल हक ने 49 रनों का योगदान दिया, जबकि मुशफिकुर रहीम ने 55 गेंदों में 36 रन बनाए।

हरभजन सिंह का बड़ा बयान T20 क्रिकेट ने बल्लेबाजों से छीना टेस्ट का धैर्य

पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टी20 के दौर से विकसित आक्रामक बल्लेबाजी शैली की कीमत बल्लेबाजों को अपने धैर्य से चुकानी पड़ी है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में युवा खिलाड़ियों द्वारा खेली जा रही लंबी पारियों की घटती संख्या की ओर इशारा किया। उन्होंने पिछली पीढ़ी के टेस्ट बल्लेबाजों को याद किया जो आक्रामकता के साथ लंबे समय तक बल्लेबाजी करने और बड़े स्कोर खड़े करने की क्षमता रखते थे। हरभजन ने पीटीआई के साथ पॉडकास्ट साक्षात्कार में कहा, "टी20 के इस दौर में मौजूदा पीढ़ी के बल्लेबाजों में पहले के बल्लेबाजों जैसा धैर्य नहीं है। बहुत कम बल्लेबाज ऐसे हैं जो टिककर खेल सकें और एक पारी में 250 या 300 रन बना सकें क्योंकि अगर आप इतने ज्यादा शॉट खेलेंगे तो आउट होने का खतरा हमेशा रहेगा। आजकल टेस्ट में किसी बल्लेबाज को तिहरा शतक बनाते हुए बहुत ही कम देखा जाता है।" उन्होंने कहा, "पहले ब्रायन लारा थे, फिर क्रिस गेल, वीरेंद्र सहवाग और मैथ्यू हेडन, इन सभी ने तिहरे शतक लगाए। हरभजन ने कहा, "जब हमने क्रिकेट खेलना शुरू किया था तब खेल की रफ्तार थोड़ी धीमी थी, हालांकि वह उस समय के अनुरूप थी। तब केवल कुछ ही बल्लेबाज छक्कों पर भरोसा करते थे।" भारत के लिए 1998 में पदार्पण करने वाले हरभजन ने कहा कि 2000 के दशक की शुरुआत में टेस्ट बल्लेबाजी के प्रति अपने रवैये के मामले में ऑस्ट्रेलिया बाकी टीमों से आगे था। उन्होंने कहा, "अगर मैं 2001 से देखूं तो ऑस्ट्रेलिया एकमात्र ऐसी टीम थी जो टेस्ट में तेजी से रन बनाती थी और अपने समय से आगे थी।

तंजीद हसन तमीम ने सेंचुरी ठोक कर रचा इंटरनेशनल क्रिकेट में इतिहास

तंजीद हसन तमीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हीं की जमीन पर जो काम शुक्रवार को किया, इससे पहले कभी नहीं हुआ था। पहले टेस्ट के दूसरे दिन तमीम ने अपनी सेंचुरी पूरी की। इसी के साथ उनका नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। उन्होंने कमाल की बल्लेबाजी की। वे पहले ही दिन सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलने आ गए थे और दूसरे दिन जोरदार शतक लगाया। वे बांग्लादेश के पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक लगाने का काम किया है। इसके साथ ही बांग्लादेश ने पहली पारी के आधार पर लीड भी ले ली है। बांग्लादेश क्रिकेट टीम इस वक्त ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर है, जहां टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। पहले टेस्ट के दूसरे दिन दूसरे सेशल में तंजीद हसन तमीम ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए अपना शतक लगाया। उन्होंने 188 बॉल खेलकर 100 रन पूरे किए। तंजीद बांग्लादेश के नए और युवा बल्लेबाज हैं। इससे पहले उन्होंने केवल एक ही टेस्ट मैच

खेला था और उसमें 30 रन की पारी खेली थी। वे पहली बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेलने आए हैं। पहले ही मैच में उन्होंने जबरदस्त रंग जमाया। पहली ही पारी में उन्होंने शतक लगा दिया। इससे पहले केवल एक ही बांग्लादेशी क्रिकेटर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट शतक लगाया था। साल 2006 में शहरयार नफीस ने 138 रनों की पारी खेली थी। अब जाकर तंजीद ने इस सूखे को खत्म किया है। यानी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पूरे 20 साल बाद किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने टेस्ट शतक लगाने का काम किया है। लेकिन से सेंचुरी इसलिए अहम है, क्योंकि ये ऑस्ट्रेलिया में आई है। इस बीच अगर मैच की बात की जाए तो इस पर बांग्लादेश ने अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। पहली पारी में केवल 198 रन पर आउट होने वाली ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी भी ज्यादा कारगर नहीं रही। बांग्लादेश की टीम अब तक 200 से अधिक रन बना चुकी हैं और पहली पारी के आधार पर अच्छी खासी लीड भी ले चुकी है।

ट्रंप की 'आवाज' थीं कैरोलिन

लेविट ने क्यों छोड़ा व्हाइट हाउस?

ट्रंप की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस्तीफा दे दिया है. ट्रंप ने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी. लेविट व्हाइट हाउस की अब तक की सबसे यंग प्रेस सचिव रही हैं.

डोनाल्ड ट्रंप की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस्तीफा दे दिया है. लेविट ने X पर लिखा कि मैं अपनी बेटी के जन्म के बाद व्हाइट हाउस लौटने के बाद मुझे अपने दिल में यह महसूस हुआ है कि व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के रूप में जरूरी निरंतर समय, ऊर्जा और ध्यान देते हुए मैं अपने दो छोटे बच्चों के लिए सबसे अच्छी मां नहीं बन सकती. इसीलिए मैंने व्हाइट हाउस छोड़ने और अपने जीवन में एक नया अध्याय शुरू करने का निर्णय लिया है. वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी सोशल मीडिया पर लेविट के जाने की जानकारी साझा की है.

उन्होंने कहा कि लीविट इसलिए जा रही हैं, ताकि वे अपने परिवार के साथ अधिक समय बिता सकें. 28 साल की लेविट ने मई में एक बेटी को जन्म दिया है. बेटी का नाम विवियाना है. पिछले महीने ही लेविट मेटरनिटी लीव से वापस व्हाइट हाउस लौटी थीं. ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि लेविट, जनवरी 2025 में उनके सत्ता में लौटने पर व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव के रूप में सेवा करने वाले सबसे कम उम्र की शख्स है.

अब वह मेरे शीर्ष बाहरी सलाहकारों में से एक होंगी. ऐसे में एक नजर डालते हैं कैरोलिन लेविट की जिंदगी पर, आखिर 28 साल की इतनी कम उम्र में वो कैसे इतनी ऊंचाई तक पहुंच गईं? लेविट ने व्हाइट हाउस में अपना करियर ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान प्रेस सहयोगी के तौर पर शुरू किया था.

ट्रंप के साथ ऐसे जुड़ी थीं लेविट

लेविट ने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें व्हाइट हाउस में काम करना शुरू किया. जहां वो व्हाइट हाउस के कॉरेसपोंडेंस ऑफिस में वोटर्स को चिट्ठी लिखने का काम करने लगीं. यहीं से वो ट्रंप के संपर्क में आईं. फिर वह असिस्टेंट प्रेस सेक्रेट्री बन गईं. वह ट्रंप की बड़ी समर्थक के रूप में उभरीं.

ऐसे बर्थडे बंप दिए कि लाल हो गई बच्चे की पीठ

बर्थडे है तो केक कटेगा, पार्टी होगी, चॉकलेट्स या मिठाई बंटेगी... लेकिन, Gen-Z और Gen-Alpha के बीच बर्थडे सेलिब्रेशन स्टाइल में थोड़ा चेंज है. अब इसमें बर्थडे बंप आदि भी शामिल हो गए हैं. हालांकि, मौज-मस्ती का ये तरीका कई बार खतरनाक भी साबित हो सकता है. सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो इसका डरावना उदाहरण है, जिसमें बर्थडे बंप के चलते एक बच्चे को चोट लग गई है. वीडियो में बच्चे के घर वाले चोट वाली जगह पर बर्फ लगाते नजर आ रहे हैं.

चुगली बनी कमाई का जरिया

सीक्रेट बातें बेचकर महिला बनी अमीर

सोचिए, जिस गॉसिप को लोग अक्सर सिर्फ पड़ोस की चुगली समझते हैं, वही किसी के लिए कमाई का जरिया बन जाए! दुनिया में पैसे कमाने के लिए लोग नौकरी, बिजनेस और तरह-तरह के काम करते हैं, लेकिन कोलंबिया की 67 साल की एक महिला ने ऐसा काम चुना, जिसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे. महिला का दावा है कि वह लोगों की पर्सनल बातें और पड़ोस के सीक्रेट बातें चोरी-छिपे सुनती हैं और जरूरत पड़ने पर इन्हें पैसे के बदले दूसरों तक पहुंचाती हैं.

हैरानी की बात तो यह है कि महिला के मुताबिक, इसी अनोखे काम से उन्होंने इतना पैसा कमाया कि दो घर तक खरीद लिए. इस महिला का नाम मिरयम बताया गया है. वह खुद को 'प्रोफेशनल गॉसिप' यानी लोगों की बातें इकट्ठा करने वाली महिला बताती हैं. उनका कहना है कि उन्हें बचपन से ही आसपास के लोगों की बातें सुनने और जानने में काफी दिलचस्पी थी. वक्त के साथ यही दिलचस्पी उनकी पहचान बन गई और उन्होंने इसे कमाई के एक अनोखे तरीके में बदल दिया. मिरयम का तरीका भी काफी अलग है. रिपोर्ट के मुताबिक वह अक्सर अपने घर के बाहर बैठती हैं और आसपास के लोगों की बातचीत पर ध्यान देती हैं. उनके हाथ में एक नोटबुक भी रहती है, जिसमें वह जरूरी बातें लिखती जाती हैं.

कहानी वायरल होने के बाद उठे सवाल

मिरयम की कहानी सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों की प्रतिक्रियाएं भी अलग-अलग हैं. कुछ लोगों को यह कमाई का तरीका बेहद मजेदार और अनोखा लग रहा है. वहीं कुछ लोग इसे लोगों की निजी जिंदगी में दखल देने वाला काम मान रहे हैं. सबसे बड़ा सवाल यही है कि किसी व्यक्ति की निजी जानकारी को पैसे लेकर दूसरे लोगों तक पहुंचाना कितना सही है.

वायरल पोस्ट सोचने पर मजबूर कर देगी

2 करोड़ पैकेज फिर भी डिप्रेशन

सालाना 2 करोड़ रुपये की कमाई सुनकर ज्यादातर लोगों को लगेगा कि जिंदगी आराम से गुजर रही होगी. लेकिन मुंबई के फाउंडर संपर्क सचदेवा ने लिंकइन पर एक ऐसे परिचित की कहानी साझा की है, जो इतनी बड़ी कमाई के बावजूद काम के दबाव से बेहद परेशान है.

12 अगस्त 2026 को सामने आई इस पोस्ट में उन्होंने एक ऐसे परिचित के बारे में बताया, जिसकी सालाना कमाई करीब 2 करोड़ रुपये है, लेकिन वह जिंदगी से खुश नहीं है. काम के दबाव से बेहद थका हुआ नजर आता है. सचदेवा ने लिखा कि उनका एक दोस्त साल में करीब 2 करोड़ रुपये कमाता है वह व्यक्ति हर महीने करीब 11-12 लाख रुपये इन-हैंड कमाता है.

सचदेवा ने बताया कि जब भी उनकी इस व्यक्ति से मुलाकात होती है, वह बुरी तरह थका हुआ नजर आता है. उन्होंने उसकी कही बातों को शेयर करते हुए लिखा कि वो हमेशा ड्रिपेस्ड रहता है और वो जब भी मिलता है,उसके जहन में जॉब से जुड़े ही ख्याल आते हैं. वो मुझसे कहता है कि मुझे नहीं पता कि मैं यह कितने समय तक कर पाऊंगा.

मोहब्बत के बाद अब बेटी के लिए जंग

'आवारापन 2' में इमरान हाशमी की दमदार वापसी

साल 2007 भारतीय सिनेमा और विशेषकर इमरान हाशमी के प्रशंसकों के लिए एक बेहद खास दौर था। उस दौर में बॉलीवुड काफी हद तक सरल और सादगी भरा हुआ करता था। उसी साल बड़े पर्दे पर एक ऐसा किरदार उभरा, जिससे हिंदी सिनेमा का एक बड़ा दर्शक वर्ग गहराई से जुड़ गया 'शिवम पंडित'। एक टूटा हुआ, खामोश और अपनी अधूरी मोहब्बत के गम में डूबा हुआ आशिक। उस वक्त किसी ने यह नहीं सोचा था कि एक किरदार की खुमारी लोगों के दिलों पर इतने लंबे समय तक छाई रहेगी। 19 सालों के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार निर्माताओं ने 'आवारापन' की उस डार्क, भावुक और खूनी दुनिया में दोबारा कदम रखा है। जब सिनेमाघरों में 'आवारापन 2' का पहला शो शुरू हुआ, तो थिएटर्स के बाहर दर्शकों का तांता और लगभग हाउसफुल शोज इस बात का सबूत थे कि शिवम पंडित का जादू आज भी फीका नहीं पड़ा है। सवाल यह उठता है कि क्या नितिन कक्कड़ के निर्देशन में बनी 'आवारापन 2' पहले भाग के उस जादुई अहसास, दर्द और संगीत को दोबारा पर्दे पर जीवंत कर पाती है? इसका जवाब काफी हद तक 'हां' में है।'आवारापन 2' की कहानी ठीक उसी जगह से आगे बढ़ती है, जहां 2007 की पहली फिल्म खत्म हुई थी। श्रिया सरन द्वारा निभाया गया 'आलिया हामिद' का किरदार अब इस दुनिया में नहीं है और शिवम पंडित (इमरान हाशमी) एक बार फिर अपने उसी पुराने अकेलेपन और खालीपन के मोड़ पर खड़ा है। वह अब जरायम की दुनिया और गोलियों की तड़तड़ाहट से काफी दूर एक शांत जीवन जीने की कोशिश कर रहा है। उसका अधिकांश समय अपनी दिवंगत प्रेमिका की मजार के पास गुमसुम बैठकर बितता है। दर्द और यादों के इस भंवर के बीच एक दिन जब वह कब्र के पास बैठा होता है, तो उसे एक लावारिस नवजात बच्ची के रोने की आवाज सुनाई देती है। शिवम उस बच्ची को अपनी गोद में उठाता है और उसे एक अनाथालय के हवाले कर देता है। हालांकि, वह अपनी पुरानी मोहब्बत की याद में उस बच्ची का नाम भी 'आलिया' रखता है और दूर रहकर चुपचाप उस पर अपनी नजर बनाए रखता है। कहानी में मोड़ तब आता है जब एक परिवार उस मासूम बच्ची को गोद लेने के लिए सामने आता है। बच्ची शिवम को छोड़कर नहीं जाना चाहती, लेकिन शिवम अपनी निजी भावना को दबाकर उसे उस परिवार के साथ भेज देता है, क्योंकि उसका मानना है कि बच्ची एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य की हकदार है। लेकिन शिवम का यह फैसला जल्द ही एक भयानक दुखद सपने में बदल जाता है। उसे पता चलता है कि जिस परिवार ने बच्ची को गोद लिया था, वह दरअसल फर्जी था और बच्ची मानव तस्करी के एक बेहद खौफनाक और खतरनाक अंतरराष्ट्रीय रैकेट के जाल में फँस चुकी है। जब शिवम को यह अहसास होता है कि वह अपनी आलिया को दूसरी बार खोने की कगार पर है, तो उसके भीतर का सोया हुआ भाड़े का हत्यारा फिर से जाग उठता है। वह अपनी बच्ची को बचाने और इस रैकेट के मास्टरमाइंड को बेनकाब करने के लिए दोबारा अपने पुराने खूनी रास्ते पर लौट आता है।

साक्षी महाराज का राहुल-अखिलेश पर हमला, बोले- राहुल की किस्मत में PM बनने का योग नहीं

उन्नाव सांसद साक्षी महाराज ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की किस्मत में प्रधानमंत्री का योग नहीं लिखा है। वह राजनीति के पप्पू है। अखिलेश यादव की चंदा चोरी के बयान पर उन्होंने कहा कि उनके पिताजी ने चवन्नी चंदा नहीं दिया है। चंदे का हिसाब मांगने का अधिकार चंदा देने वालों को है। साक्षी महाराज उन्नाव जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पत्रकारों से बातचीत करते हो यह विचार व्यक्त किया। इस मौके पर उन्होंने अमृत भारत योजना के अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि राहुल गांधी राजनीति के पप्पू है। उनकी किस्मत में प्रधानमंत्री बनने का योग नहीं है। राहुल गांधी बिना पानी के जैसे मछली तड़पती है वैसे तड़प रहे हैं। ऐसा बेढंगा, बेसहूर विपक्ष अपने राजनीतिक कैरियर में नहीं देखा है। लोकसभा अध्यक्ष, संसदीय कार्य मंत्री, गृहमंत्री विपक्ष को बहस करने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। साक्षी महाराज ने कहा राहुल गांधी ने पूरे विपक्ष को गुमराह कर रखा है। राहुल गांधी को देखते हुए अखिलेश यादव की चंदा चोर की रट लगाए हैं। उन्होंने कहा कि तुम्हारे पिताजी ने चवन्नी नहीं दी। बल्कि उन्होंने कहा था कि परिंदा पर नहीं मार सकता है। राम भक्तों अपने पैसे से राम मंदिर का निर्माण किया है। जो चंदा दिया है उसे हिसाब मांगने का अधिकार है। 'पी' का मतलब पंडित पर पूछे गए सवाल पर साक्षी महाराज ने कहा कि अखिलेश यादव सभा के अनुसार 'पी' का मतलब निकाल लेते हैं। पंडितों के बीच पंडित और पिछड़ों के बीच पिछड़ा बता देते हैं। एक सवाल के जवाब में साक्षी महाराज ने कहा कि मीडिया पर आरोप लगाना गलत मानसिकता है। मीडिया यदि गलत खबर की छापती है तो बिना पढ़े और सुने काम पूरा नहीं होता है। साक्षी महाराज ने कहा कि सांसद के बाहर विपक्ष का चंदा इकट्ठा करना और उसे हनुमान मंदिर में दान देना नाटक है। संतों का अपमान है। पप्पू यादव तो कालनेमी की तरह कपड़े पहन कर बैठा था। यह नाटक करने से अखिलेश यादव का जनाधार बढ़ा नहीं बल्कि घट गया।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर मार्ग पर धंसने, दबने, दरकने की खामियां रोज बढ़ती ही जा रही

अपने संचालन के 31 दिन पूरा कर चुके लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर मार्ग पर धंसने, दबने, दरकने की खामियां रोज बढ़ती ही जा रही हैं। गुरुवार को फिर दो स्थानों पर सड़क धंसी मिली। लखनऊ की ओर जाने वाली इस सड़क पर 120 किमी व 100 किमी प्रति घंटे रफ्तार के लिए बनाई गई दोनों लेन धंस गईं। यह समस्या गांव बेगमखेड़ा व अड़ेरुवा के निकट आई है। क्रमश: 140 व 60 मीटर मिलाकर कुल 200 मीटर मार्ग का हिस्सा धंसा है। 45 किमी के ग्रीनफील्ड हिस्से में अब तक 82 जगहों पर खराबी मिली है।तीन दिन पहले तक कानपुर-लखनऊ लेन पर क्षतिग्रस्त हुए लगभग 12 स्थानों पर कार्यदाई संस्था ने पैच वर्क का कार्य लगभग पूर्ण कर दिया है। इसके अलावा निर्माण एजेंसी ने चार स्थानों पर धंसी सड़क पर काम शुरू करवाया है, जिसमें तीन स्थान उन्नाव से लखनऊ तो एक लखनऊ से उन्नाव लेन पर है। संस्था उन्नाव से लखनऊ लेन पर किमी बछौरा गांव के बीच, दतौली व कांथा के पास उखड़े पैच को हटाकर मार्ग की मरम्मत कर नया पैच लगवा रही है। वहीं मंगलवार को लखनऊ-उन्नाव लेन पर कोरारी (टोल के निकट) के पास 30 मीटर धंसी सड़क वाले स्थान पर भी मरम्मत शुरू हो चुकी है। मरम्मत में लगे कर्मियों ने बताया कि इन स्थानों पर कार्य शुक्रवार तक पूर्ण हो जाएगा।कार्यदाई संस्था पीएनसी इंफ्राटेक के द्वारा एक तरफ पैचिंग कार्य किया जा रहा है तो सड़क दूसरी जगह पर धंस रही है, जिसमें उन्नाव से लखनऊ लेन पर बेगमखेड़ा के पास 140 मीटर तक सड़क धंस गई है, तो वहीं इसी लेन पर अड़ेरुवा गांव क्षेत्र में 120 की रफ्तार वाली मुख्य लाइन भी लगभग 60 मीटर तक धंसकर नालीनुमा हो गई है। ऐसे में दुर्घटना होने की आशंका बनती है।

किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म में 10 साल की जेल

अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी रविप्रकाश साहू ने किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में मन्नू सविता को ◌8 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। मन्नू का साथ देने वाले बऊवा, मानस और विक्कू को भी तीन-तीन साल कैद की सजा मिली है। यह निर्णय बृहस्पतिवार को सुनाया गया। सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने 15 फरवरी 2019 को तत्कालीन पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र दिया था। उसने बताया कि 12 फरवरी 2019 की रात मसवासी गांव निवासी मन्नू सविता, मानस, बऊवा और विक्कू ने उसकी 15 वर्षीय बेटी का अपहरण कर लिया था। गांव के लोगों ने आरोपियों को बेटी के साथ जाते देखा था। शाम को बऊवा और मानस के घर लौटने पर बेटी के बारे में पूछा तो इन लोगों ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर किशोरी को खोजा और उसका मेडिकल परीक्षण कराया। किशोरी ने न्यायालय में कलमबंद बयानों में मन्नू सविता पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। उसने बऊवा, मानस और विक्कू पर अपहरण में शामिल होने की जानकारी दी थी। न्यायालय में दोष साबित होने पर न्यायाधीश ने मन्नू सविता को दुष्कर्म के लिए दस साल सश्रम कारावास दिया। उस पर 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। किशोरी के अपहरण में मन्नू का साथ देने के दोषी बऊवा, मानस और विक्कू को तीन-तीन साल सश्रम कारावास की सजा मिली। तीनों पर दस-दस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। फोन कर बचाने की लगाई थी गुहार पीड़ित किशोरी की मां के मुताबिक छह और 30 मार्च को उसके मोबाइल पर अनजान नंबर से फोन आया था। बेटी ने दुष्कर्म करने और उसे चंगुल से बचाने की गुहार लगाई थी। हालांकि जानकारी देने के बावजूद पुलिस ने कार्रवाई नहीं की थी।

उन्नाव जंक्शन के निर्माण में 3 साल से सुस्ती, साक्षी महाराज ने ठेकेदार को लगाई फटकार

उन्नाव जंक्शन रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना के अंतर्गत 2023 में उद्घाटन किया गया था। 3 साल से ज्यादा हो गए, अभी केवल 8-10 पिलर ही खड़े हुए हैं। रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्य की धीमी गति से साक्षी महाराज ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने ठेकेदार की भी क्लास ले ली और डीआरएम की तरफ देखते हुए बोले इन्हें ब्लैकलिस्ट क्यों नहीं किया गया? इस पर ठेकेदार ने स्पष्टीकरण दिया। बताया कि केबिल हटाने में बहुत समय लग गया। अब स्टेशन के निर्माण कार्य को पूरा करने की नई समय सीमा निश्चित की गई है। इस मौके पर डीआरएम, एडीआरएम सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद थे। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जंक्शन रेलवे स्टेशन का चयन अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किया गया था। योजना का शिलान्यास 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। योजना के अंतर्गत नया स्टेशन भवन, 15 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट, एक्सीलेटर, फूड प्लाजा, बेबी फीडिंग रूम, वेटिंग रूम, एलइडी बोर्ड, सीसीटीवी, फ्री वाई-फाई की व्यवस्था होनी थी। लेकिन शुरुआत से ही काफी धीमी गति से कार्य चल रहा था और देखते-देखते 3 साल से ज्यादा निकल गए। भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र में 16 जगह शिलान्यास किया गया था। उन्नाव जंक्शन स्टेशन का कायाकल्प करने के लिए 26 करोड़ रुपए का बजट है। जिसे 1 साल के अंदर पूरा हो जाना चाहिए था। लेकिन आप 3 साल से ज्यादा हो गए। उन्हें बताया गया है कि अगले 6 महीने में काम पूरा हो जाएगा। साक्षी महाराज ने कहा कि टेंडर होने के बाद जब काम शुरू हो गया, शिलान्यास भी कर दिया गया तो अब तक काम हो जाना चाहिए था। लेकिन उन्होंने देखा कि यहां केवल पिलर खड़े हैं। इसके बाद रेल मंत्री के साथ बैठक की और उन्हें विकास कार्यों के विषय में जानकारी दी। इसके बाद पूरा डिपार्मेंट सक्रिय हुआ। 6 महीने में करने का आश्वासन दिया गया है। साक्षी महाराज ने कहा कि 6 महीने में कार्य पूरा नहीं होता है तो फिर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सरैयां रेलवे क्रॉसिंग का पुल भी 30 सितंबर तक पूरा हो जाएगा। अजगैन, शुक्लागंज, अचलगंज सहित अन्य जहां-जहां कार्य हो रहे हैं वह सभी पूरे हो जाएंगे।

16 साल पुराने मतपेटी लूटकांड में बड़ा फैसला 14 दोषियों को 3-3 साल की सजा

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान 16 साल पहले हुई मतपेटी लूट के मामले में न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए 14 दोषियों को तीन-तीन साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने सभी दोषियों पर पांच-पांच हजार रूपये का जुर्माना भी लगाया है।मामला वर्ष 2010 में उन्नाव के आसीवन थाना क्षेत्र के कायमपुर निबरवारा ग्राम पंचायत का है। पंचायत चुनाव के दौरान प्राथमिक विद्यालय में बनाए गए बूथ संख्या 162 और 163 से मतपेटियां लूट ली गई थीं। घटना के बाद आसीवन थाना पुलिस ने राकेश उर्फ छोटक्के समेत 16 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की थी।मुकदमे की सुनवाई के दौरान आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, हालांकि बाद में सभी को जमानत मिल गई थी। इसके बाद गैंगस्टर एक्ट से जुड़े मामले की सुनवाई न्यायालय में चलती रही।गुरूवार को मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद न्यायाधीश शैलेंद्र कुमार यादव ने 14 आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत ने प्रत्येक दोषी को तीन साल के सश्रम कारावास के साथ पांच हजार रूपये जुर्माने की सजा सुनाई।वहीं, मुकदमे की सुनवाई के दौरान दो आरोपियों सर्वजीत और शिवदत्त की मौत हो चुकी है। करीब डेढ़ दशक से अधिक समय बाद आए इस फैसले के बाद 2010 के पंचायत चुनाव में हुई मतपेटी लूट की घटना एक बार फिर चर्चा में है।

खाद की किल्लत पर सपा का प्रदर्शन फार्मर रजिस्ट्री में किसानों के उत्पीड़न का लगाया आरोप

खाद की किल्लत और फार्मर रजिस्ट्री की समस्याओं के समाधान के लिए सपा कार्यकर्ताओं ने गुरूवार को तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। इसके बाद एसडीएम को ज्ञापन देकर समस्याओं के समाधान की मांग की। सपा नेता नितिन पटेल ने किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं लेकिन किसानों को जरूरत के समय पर्याप्त उर्वरक नहीं मिल पा रहा है। सहकारी समितियों में खाद के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। निजी दुकानदार निर्धारित से दोगुने दामों पर खाद बेच रहे हैं। फार्मर रजिस्ट्री के नाम पर किसानों का उत्पीड़न हो रहा है। ज्ञापन में समस्याओं का समय पर समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष ओमप्रकाश पासवान, जिला सचिव गुड्डू शुक्ला, श्रीनारायण पाल, रमाकांत पटेल, बिंदा लोधी, ऋतुराज सिंह, विजय बहादुर पटेल, अमन पटेल, मनीष यादव, सूरज यादव, बीपी यादव, पुनीत यादव, आदित्य पटेल, रजनीश पटेल, सुरेंद्र पासवान आदि रहे।

IGRS में लापरवाही पर उन्नाव DM का बड़ा एक्शन 22 अधिकारियों का वेतन रोका

उन्नाव जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने आईजीआरएस में लापरवाही बरतने के कारण 22 जनपद स्तरीय अधिकारियों का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने का आदेश दिये हैं। इसके साथ ही सभी अधिकारियों से स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। जिलाधिकारी ने कहा है कि जब तक IGRS में विभागीय स्थिति में सुधार नहीं होता है तब तक वेतन नहीं दिया जाएगा। समीक्षा में 20 प्रतिशत से अधिक शिकायतकर्ता संतुष्ट नहीं पाए गए। जिलाधिकारी के इस आदेश से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। जिन अधिकारियों का वेतन रोका गया है उनमें बिजली विभाग, पीडब्ल्यूडी, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन निगम, होमगार्ड सहित 22 विभागों के विभागाध्यक्ष शामिल है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने IGRS में आ रही शिकायतों को दूर करने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने 22 जनपद स्तरीय अधिकारियों और विभागाध्यक्षों के वेतन को रोकने का आदेश दिया है। इस मौके पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस में सुधार आने के बाद ही वेतन देने का आदेश दिया जाएगा। समीक्षा के दौरान जानकारी हुई की 20 प्रतिशत से अधिक शिकायत करने वाले असंतुष्ट पाए गए। यह घोर लापरवाही है। जिलाधिकारी ने कहा कि जन संवाद करते हुए शिकायतकर्ता को संतुष्टि प्रदान करने और IGRS पोर्टल संतुष्टि दर्ज कराने का प्रयास नहीं किया गया।।IGRS में प्राप्त संदर्भों को संतुष्टिपरक निस्तारण में रुचि नहीं ली जा रही है जो शासन के मंशा के अनुरूप नहीं है। एक सप्ताह के अंदर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। संतोषजनक स्पष्टीकरण ना मिलने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण खंड उन्नाव, अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड एक, अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड 2, जिला समाज कल्याण अधिकारी, अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग, जिला प्रोवेशन अधिकारी महिला कल्याण विभाग, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी पशुपालन, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत सेल, जिला विद्यालय निरीक्षक माध्यमिक शिक्षा विभाग, जिला पंचायत राज अधिकारी पंचायती राज विभाग, एलडीएम बैंक का वेतन रोका गया है। इसके साथ ही सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास पुष्टाहार विभाग, जिला खाद्य एवं वितरण अधिकारी, जिला कमांडेंट होमगार्ड, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, जिला कीड़ा अधिकारी खेलकूद विभाग, उपायुक्त वाणिज्य कर विभाग, अधिशासी अभियंता उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद उन्नाव, उपनिदेशक (निर्माण), उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद उन्नाव, मुख्य चिकित्सा अधीक्षका (महिला), अधिशासी अभियंता उत्तर प्रदेश ग्रामीण सड़क योजना, जिला उपायुक्त मनरेगा ग्राम विकास विभाग उन्नाव शामिल है।

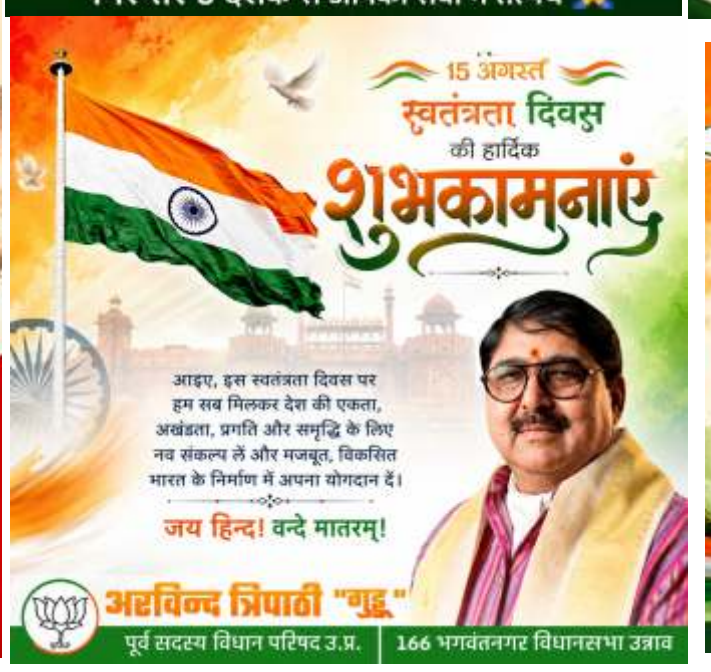

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर उठे सवालों से हाईकोर्ट सख्त केंद्र और यूपी सरकार से मांगा जवाब

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के निर्माण में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में दाखिल याचिका पर सुनवाई हुईयाचिका में एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य की अदालत की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई है।कोर्ट ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार के संबंधित अधिकारियों समेत सभी पक्षकारों को काउंटर एफिडेविट दाखिल कर आरोपों पर अपना जवाब देने का निर्देश दिया है।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के निर्माण की गुणवत्ता और कथित अनियमितताओं को लेकर उठे सवाल अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच तक पहुंच गए हैं। मामले में दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सचिव, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव समेत सभी संबंधित पक्षकारों को काउंटर एफिडेविट दाखिल करने का निर्देश दिया है।याचिका में एक्सप्रेसवे के निर्माण में भ्रष्टाचार और बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। याचिकाकर्ता ने पूरे निर्माण कार्य की अदालत की निगरानी में जांच कराने की मांग की है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि याचिका में जिन तथ्यों और आरोपों को उठाया गया है, उन पर संबंधित अधिकारियों का पक्ष स्पष्ट होना जरूरी है। इसी वजह से अदालत ने सभी प्रतिवादियों को अपने जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।कोर्ट ने साफ किया कि काउंटर एफिडेविट में याचिका में लगाए गए आरोपों और उठाए गए प्रत्येक बिंदु का जवाब दिया जाना चाहिए। इसमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सचिव, NHAI अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव सहित सभी पक्षकारों को अपना पक्ष रखना होगा। अब संबंधित विभागों की ओर से जवाब दाखिल होने के बाद मामले की अगली सुनवाई होगी।लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे को लेकर विवाद उस समय और बढ़ गया था, जब उद्घाटन के कुछ ही दिनों बाद बारिश के दौरान सड़क के एक हिस्से के धंसने की खबर सामने आई थी। एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 13 जुलाई 2026 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। उद्घाटन के बाद सड़क धंसने की घटना सामने आने पर NHAI की ओर से प्रभावित हिस्से की मरम्मत कराई गई थी।इसी घटना के बाद एक्सप्रेसवे के निर्माण की गुणवत्ता और काम की निगरानी को लेकर सवाल उठने लगे। अब याचिका में भ्रष्टाचार और निर्माण कार्य में कथित गड़बड़ियों की विस्तृत जांच की मांग की गई है।हाईकोर्ट के निर्देश के बाद केंद्र और राज्य सरकार के संबंधित विभागों को आरोपों पर अपना आधिकारिक पक्ष अदालत के सामने रखना होगा। हालांकि, अभी अदालत ने आरोपों को सही ठहराने वाला कोई निष्कर्ष नहीं दिया है। आगे की सुनवाई संबंधित पक्षों के काउंटर एफिडेविट दाखिल होने के बाद होगी।

बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया

यूपी के संभल स्थित असमोली थाना पुलिस ने बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें दिल्ली की एक नर्स और हाई-प्रोफाइल सोसाइटी में बच्चों को बेचने वाली महिला भी शामिल है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने इसका खुलासा करते हुए बताया कि दोनों बच्चों का सौदा 5-5 लाख रुपये में नर्स और उसकी साथी महिला ने कर दिया था। अपहरण करने वाले गिरोह को एक बच्चे के 2.40 लाख रुपये दे दिए गए थे। जबकि दूसरे बच्चे को आरोपी वापस गांव ओबरी में छोड़ गए थे। आरोपियों को भनक लग गई थी कि पुलिस उनका पीछा कर रही है। अपहरण किए गए दोनों बच्चों की उम्र चार-चार वर्ष है। एसपी ने शुक्रवार को बहजोई स्थित कार्यालय पर खुलासा करते हुए बताया कि गांव ओबरी में चार अगस्त को मेला लगा था। इस मेले में गांव निवासी सलमान के चार वर्षीय बेटे उवैस का अपहरण किया गया था। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी थी तो पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लिया था। 8 अगस्त को इसी मेले से हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र के बराही गांव के नाजिर हुसैन के चार वर्षीय बेटे सुलेमान का अपहरण हो गया था। दो बच्चों का अपहरण होने की जानकारी पर गंभीरता से जांच पड़ताल कराई गई। इसमें सामने आया कि सलमान के बेटे का अपहरण उसके रिश्ते के साले सलमान उर्फ सुल्तान और उसकी पत्नी साजिया ने कराया है। वह दोनों रामपुर के खजुरिया थाना क्षेत्र के ऊधमपुरा गांव में रहते हैं।

योगी आदित्यनाथ अयोध्या पहुंचे

विपक्ष पर जमकर निशाना साधा

अयोध्या में सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर एकता को लेकर संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि गुलामी के समय भारत के पास सिर्फ एकजुटता की कमी थी। सीएम योगी ने इस दौरान विपक्ष पर भी जमकर निशाना साधा। सीएम योगी ने कहा कि गुलामी से पहले भारत के पास बल, बुद्धि, वैभव सब था, कमी थी तो एकता की कमी थी, एक साथ चलने की कमी थी। उन्होंने कहा, "हम बंटे थे, इसलिये कटे थे।" उन्होंने कहा कि एकता ही सबसे बड़ी ताकत है।

इससे पहले सीएम योगी ने लखनऊ में भी एक कार्यक्रम के दौरान लोगों से एकजुटता की अपील की थी। दरअसल, अयोध्या में सभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा, "1526 में आज से 500 वर्ष पहले आज का जो संभल है, इस संभल में श्री हरिहर मंदिर को तोड़ करके वहां पर एक गुलामी का ढांचा खड़ा कर दिया गया। अगर 1526 में एक जुट हुए होते तो कदाचित 1528 अयोध्या में दोहराने का दुस्साहस कोई नहीं करता। यानी मात्र दो वर्ष के बाद अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर प्रभु श्री राम के मंदिर को क्षतिग्रस्त करके सनातन धर्मावलंबियों को अपमानित करते हुए एक गुलामी का ढांचा खड़ा किया गया। ऐसा नहीं है कि सनातनियों के पास बल, बुद्धि या वैभव की कमी रही हो। वह सब कुछ था। कमी थी तो एकता की कमी थी। एक दिशा में एक स्वर में एक साथ चलने की कमी थी। हम बटे थे और इसीलिए तो कटे थे। बार बार वही प्रश्न खड़ा होता है। आज 14 अगस्त है। 14 अगस्त 1947 को आजादी के एक दिन पहले तब केवल हिंदू और सिख ही नहीं कटा था, तब भारत भी कटा था।"

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में शनिवार से वार्षिक सावन झूला मेला की शुरुआत होगी

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में शनिवार से वार्षिक सावन झूला मेला की शुरुआत होगी। इसके लिए तैयारियों को पूरा कराया गया है। मणिपर्वत पर मुख्य आयोजन होगा। सावन झूला मेले के पहले दिन मणपर्वत पर प्रभु श्रीराम और माता सीता का पारंपरिक झूला विहार आयोजित किया जाएगा। प्रशासनिक और पुलिस के स्तर पर कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी की गई है। अयोध्या में सावन मेले की शुरुआत शनिवार से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी। अधिकारियों के अनुसार, अयोध्या में आयोजित हो रहे सावन झूला मेले के पहले दिन मणिपर्वत पर प्रभु राम और सीता का पारंपरिक झूला विहार आयोजित किया जाएगा। झूला विहार सावन महीने में होने वाली एक परंपरा है, जिसमें देवी-देवताओं को सजाए गए झूलों पर बिठाया जाता है। इस दौरान अलग-अलग मंदिरों की 11 झांकियां उत्सव के लिए मणि पर्वत जाएंगी। अधिकारियों का कहना है कि अयोध्या के 5000 से अधिक मंदिरों में सावन झूला उत्सव मनाया जाएगा। राम जन्मभूमि, कनक भवन और अन्य प्रमुख मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में भी प्रभु रामलला को झूले पर झुलाया जाएगा। इसके लिए विशेष व्यवस्था की गई है। अयोध्या में आयोजित हो रहे सावन झूला उत्सव को लेकर प्रशासन और पुलिस की तैयारियां पुख्ता की गई हैं। आयोजन के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो, इसका पूरा ख्याल रखा जाएगा। माना जा रहा है कि सावन झूला उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में भक्त अयोध्या पहुंच सकते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने मणि पर्वत क्षेत्र को छह जोन और 29 सेक्टर में बांटा है। वहां पुलिसकर्मियों को दो पालियों में तैनात किया गया है। अयोध्या में झूला उत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में पीएसी की 10 कंपनियां, आरएएफ की दो कंपनियां, एटीएस की एक टीम, एसडीआरएफ की दो टीम और ड्रोन से निगरानी शामिल है।